PK टाइम्स

लोक टुडे

विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

pktimesnews.com
loktodaynews.com
PK Times News
thepktimesofficial
pk_timesofficial

वर्ष: 12 | अंक: 284 | मूल्य: 1.00 रुपए | पृष्ठ: 4 | शुक्रवार, 01 मई, 2026 | RNI No. RAJHIN/2013/50649

जयपुर के विकास को लगेंगे पंख

यूसीएफ से अटके प्रोजेक्ट्स को मिलेगी रफ़्तार

मनोहरसिंह खोखर । जयपुर

केंद्र सरकार द्वारा घोषित 1 लाख करोड़ के अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) से जयपुर की कई बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को गति मिलने वाली है। यह फंड विशेष रूप से उन शहरों को लक्षित करता है जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है, इनमें से जयपुर एक प्रमुख केंद्र है। केंद्र सरकार ने 15 अप्रैल 2026 को यूसीएफ की आधिकारिक गाइडलाइन्स जारी कर दी हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने घोषणा की है कि सितंबर 2026 से शहरों को फंड मिलना शुरू हो जाएगा। पहले चरण में स्वीकृत राशि का 30% हिस्सा जारी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने राज्य सरकार के माध्यम से केंद्र को कई बड़े प्रोजेक्ट्स के प्रस्ताव भेजे रखे हैं। अधूरे फ्लाईओवर और सड़कें समेत शहर के वे प्रोजेक्ट्स जो बजट की कमी के कारण रुके हुए थे, उन्हें अब इस फंड से रफ्तार मिलेगी। अब जयपुरवासियों के लिए राहत की बात यह है कि अब फंड की कमी विकास में बाधा नहीं बनेगी। सितंबर 2026 से फंड जारी होने के बाद शहर के बड़े निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व तेजी आने की उम्मीद है।

- **जाम और अधूरे** निर्माणों से जल्द मिलेगी राहत
- **अर्बन चैलेंज फंड** से बदलेगी गुलाबी नगरी की सूरत

क्या है अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ)?

अर्बन चैलेंज फंड केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य भारतीय शहरों को आर्थिक विकास का इंजन बनाना और उनके बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाना है। फरवरी 2026 में कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पीआईबी दिल्ली यह फंड पारंपरिक ग्रांट-आधारित प्रणाली से हटकर मार्केट-लिंक्ड और सुधार-आधारित वित्तपोषण पर केंद्रित है। केंद्र सरकार ने इसके लिए 1 लाख करोड़ की सहायता राशि निर्धारित की है। इसका लक्ष्य अगले 5 वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल 4 लाख करोड़ का निवेश जुटाना है। फंड प्राप्त करने के लिए शहरों को एक 'चैलेंज मोड' में प्रतिस्पर्धा करनी होगी। केवल उन्हीं प्रोजेक्ट्स को पैसा मिलेगा जो 'बैंकेबल' (व्यवहार्य) होंगे और जिनमें शहरी शासन में सुधार की शर्त जुड़ी होगी।

ये है फंडिंग फॉर्मूला :

- 25% केंद्र सरकार द्वारा सहायता।
- कम से कम 50% बाजार से (जैसे म्युनिसिपल बॉन्ड, बैंक ऋण या पीपीपी) जुटाना होगा।
- शेष 25% राज्य सरकार या शहरी स्थानीय निकायों द्वारा वहन किया जाएगा।

जयपुर के लिए यूसीएफ एक संजीवनी :

1. जयपुर मेट्रो फेज - 2 :

केंद्र सरकार ने हाल ही में इसके लिए 13,038 करोड़ के बजट को मंजूरी दी है। यह 41 किमी लंबा नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक होगा, जिसमें 36 स्टेशन होंगे। मेट्रो फेज-2 'ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट' का एक बेहतरीन उदाहरण है। यूसीएफ की शर्तों के अनुसार इस प्रोजेक्ट के लिए 50' राशि बाजार स्रोतों से जुटाई जाएगी, जो इसे इस फंड के लिए पूरी तरह योग्य बनाता है।

2. हाई-टेक सिटी जयपुर :

जयपुर के नजदीक गुजरात की गिफ्ट सिटी की तर्ज पर एक आधुनिक टाउनशिप विकसित करना है। जयपुर विकास प्राधिकरण अपने क्षेत्र को 3000 वर्ग किमी से बढ़ाकर 6000 वर्ग किमी करने की योजना पर काम कर रहा है, ताकि इस प्रोजेक्ट के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध हो सके। यह 'ग्रोथ हब' और 'ग्रीनफील्ड टाउनशिप' श्रेणी में आता है, जो यूसीएफ के मुख्य प्राथमिकता क्षेत्रों में से एक है।

3. ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम :

जयपुर नगर निगम वार्डों के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है, जिसकी अनुमानित लागत 3,260 करोड़ से अधिक है। शहर में जलभराव की समस्या और पुराने बुनियादी ढांचे के पुनर्विकास के लिए जेडीए ने राज्य सरकार को यूसीएफ के तहत फंडिंग के लिए प्रस्ताव भेज रखे है।

4. डिजिटल गवर्नेंस और शहरी सुधार :

शहर में प्रॉपर्टी की डिजिटलीकरण, ड्रोन-आधारित मैपिंग और कमांड-कंट्रोल सेंटर का अपग्रेडेशन। जयपुर नगर निगम अपनी क्रेडिट रेटिंग सुधारने और बाजार से पैसा जुटाने के लिए यूसीएफ के तहत सुधार कार्यक्रम अपना सकता है।

इन प्रोजेक्ट्स को मिलेगी गति :

- झोटवाड़ा एलिवेटेड रोड जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है, यूसीएफ से सर्विस लेन और ड्रेनेज को मजबूती मिलेगी।
- अरण्य भवन से जगतपुरा 4.4 किमी लंबी एलिवेटेड रोड (लागत 560 करोड़) को मंजूरी मिली है, जिसका काम जल्द शुरू होगा।
- सांगानेर एलिवेटेड रोड (सांगानेर फ्लाईओवर से मालपुरा गेट) तक 240 करोड़ का प्रोजेक्ट, जो सितंबर 2028 तक पूरा होना है।
- जवाहर सर्कल, यहां भी ट्रैफिक को सुगम बनाने के लिए सौंदर्यीकरण और नए रास्तों का निर्माण चल रहा है।
- वंदे मातरम रोड (मुहाना), इस मार्ग पर ड्रेनेज और सड़क सुधार के लिए नए सिरे से बजट आवंटित होने की संभावना है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर चलती कार बनी आग का गोला ; 5 जिंदा जले

सिर्फ हड्डियां मिलीं, एमपी के रहने वाले थे, वैष्णो देवी दर्शन करने गया था परिवार

लोक टुडे। अलवर

अलवर के मौजपुर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर चलती कार में आग लग गई। हादसे में 5 लोग जिंदा जल गए। आग बुझाने के बाद अर्टिगा कार में से केवल हड्डियां मिलीं हैं। कार ड्राइवर आग लगते ही बाहर कूद गया था। उसे गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया है। कार सवार परिवार श्योपुर (मध्य प्रदेश) के चैनपुरा के रहने वाला था। परिवार मन्नत पूरी होने पर वैष्णो देवी दर्शन कर लौट रहा था। पुलिस को आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। एक्सीडेंट बुधवार रात 11 बजे हुआ।

पोटलियों में रखी हड्डियां, मृतकों में 2 नाबालिग :

जानकारी के अनुसार हादसे में चैनपुरा के रहने वाले संतोष (35), पत्नी शशि (30), सास पार्वती (55) और दो नाबालिगों की मौत हुई है। परिवार पार्वती की बीमारी ठीक होने पर मन्नत पूरी करने वैष्णो देवी गया था। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी में सभी की केवल हड्डियां मिलीं हैं, इन्हें अलग-अलग पोटलियों में रखा गया है। शवों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल लिए जाएंगे।

सीएनजी के कारण भड़की आग :

अलवर एएसपी प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि रात करीब 11.15 बजे लक्ष्मणगढ़ पुलिस को कार में आग की जानकारी मिली थी। रात करीब 11.30 बजे फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई थी। आग बुझाने में करीब 15 मिनट का समय लगा। आशंका है कि सीएनजी के कारण आग तेजी से भड़की थी। इसलिए कार सवारों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

ईरान बोला- किसी हाल में न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ेंगे

अमेरिकी ठिकाने खुद सुरक्षित नहीं, वो दूसरों को क्या बचाएंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने एक बयान जारी कर कहा कि उनका देश अपनी परमाणु और मिसाइल क्षमता से किसी भी हाल में पीछे नहीं हटेगा। उनका यह लिखित बयान ईरान के सरकारी टीवी पर पढ़कर सुनाया गया।

खामेनेई ने कहा कि ईरान अपनी 'परमाणु और मिसाइल ताकत' को देश की संपत्ति मानता है और हर हाल में उसकी रक्षा करेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि हॉर्मुज स्ट्रेट में अब एक नया दौर शुरू हो गया है, जो आगे चलकर इलाके में शांति, तरक्की और आर्थिक फायदा लाएगा।

खामेनेई ने कहा कि अमेरिका के सैन्य ठिकाने (बेस) इतने कमजोर हैं कि वे खुद की सुरक्षा भी ठीक से नहीं कर सकते। ऐसे में वे इस इलाके के दूसरे देशों को सुरक्षा देने का दावा कैसे कर सकते हैं

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स...

1. जंग में अमेरिका के 25 अरब खर्च: अमेरिका ईरान युद्ध पर पिछले 2 महीने में अब तक 25 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। अमेरिका ने पहली बार जंग में हुए खर्च की जानकारी दी है।

2. ट्रम्प ने राइफल के साथ फोटो शेयर की: ट्रम्प ने राइफल के साथ फोटो पोस्ट कर ईरान को चेतावनी दी। फोटो पर लिखा था- नो मोर मिस्टर नाइस गाइ (मैं नरमी नहीं बरतूंगा)।

3. ईरान ने यूएन में अमेरिका की शिकायत की: ईरान ने संयुक्त राष्ट्र में शिकायत कर अमेरिका पर जहाज जब्त करने और 38 लाख बैरल तेल कब्जाने का आरोप लगाया।

4. लेबनान में 12 लाख लोगों पर भुखमरी का खतरा: ह्यू से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया कि युद्ध, विस्थापन और आर्थिक दबाव के कारण लेबनान में 12 लाख से ज्यादा लोग खाद्य संकट झेल सकते हैं।

5. भारत-ईरान विदेश मंत्रियों की फोन पर बातचीत: विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने युद्धविराम, द्विपक्षीय रिश्तों और क्षेत्रीय हालात पर फोन पर चर्चा की।

एमपी के जबलपुर में क्रूज डूबा, 6 शव मिले

8 लापता, 29 पर्यटक सवार थे, 15 तैरकर निकले; नर्मदा के बरगी डैम में हादसा

जबलपुर

मध्यप्रदेश के जबलपुर में नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम में गुरुवार शाम पर्यटकों से भरा एक क्रूज डूब गया। हादसा खमरिया टापू के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक एमपी टूरिज्म के क्रूज में 29 पर्यटक सवार थे। 15 लोग तैरकर बाहर निकल आए हैं।

सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंची। अब तक 6 शव मिलने की पुष्टि हुई है। इनमें दो महिलाएं हैं। वहीं 8 अब भी लापता है। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि अचानक आए तूफान के कारण क्रूज संतुलन खो बैठा और डूब गया। बता दें कि पहले क्रूज में 30 से ज्यादा लोगों के होने की जानकारी आई थी।

बॉक्सर से हिंदुस्तान का मोस्ट वांटेड गैंगस्टर बना

अनमोल बिश्नोई

सलमान-मूसेवाला-बाबा सिद्दीकी केस में भी आया था अनमोल का नाम

प्रदीप आजाद।

आज की केस डायरी में बात होगी बिश्नोई गैंग की। अब आपकी जुबान पर सीधा नाम आएगा लॉरेंस बिश्नोई। लेकिन ये केवल अकेला नहीं, बल्कि एक ओर शख्स है जो इस नाम से भी बड़ा बनने की कोशिश में लगा था और उस इंटरनेशनल गैंगस्टर का नाम है अनमोल बिश्नोई। दरअसल अनमोल और लॉरेंस बिश्नोई रिश्ते में भाई हैं। लॉरेंस बिश्नोई से करीब 6 साल छोटा है अनमोल। पंजाब के फाजिल्का जिले में जन्में अनमोल यूं तो पढाई में भी काफी अव्वल था और बॉक्सिंग में भी। कहा जाता है कि जब वो बॉक्सिंग रिंग में उतरता था तो उसके पंच के सामने कोई टिक नहीं पाता था। जाहिर है उसे जानने वाला हर शख्स यही सोचता था कि अनमोल बॉक्सिंग में बड़ा नाम बनकर उभरेगा, लेकिन शायद अनमोल की किस्मत उसे कुछ दूसरे ही रास्ते पर ले जाना चाहती थी। वो रास्ता था अपराध का और फिर वक्त वो भी आया जब अनमोल बिश्नोई बन गया हिंदुस्तान का मोस्ट वांटेड गैंगस्टर। आपको बता दें कि अपराध की दुनिया का वो नाम, जो बॉक्सिंग रिंग से बाहर निकला और अपने चचेरे भाई के नक्शेकदम पर चलकर बन गया दुनिया का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर। कम उम्र में इस लड़के ने जब जुर्म की दुनिया में कदम रखा तो किसी को अंदाजा भी नहीं था कि उसकी दहशत देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में महसूस की जाएगी। सियासी गलियारे से लेकर मुंबई के मनोरंजन जगत तक। लॉरेंस भाइयों की दहशत इतनी कि हर कोई उनसे खौफ खाता है। अब वो साल 2009 था। जब अनमोल बिश्नोई राजस्थान के माउंट आबू के एक स्कूल में पढाई कर रहा था और यहां उसकी पहचान एक ऐसे लड़के से हुई जिसने उसकी जिंदगी को बदल डाला। जैसे-जैसे वक्त गुजरता गया, अनमोल का रास्ता खुद ब खुद बदलता गया। उसका चचेरा और बड़ा भाई लॉरेंस बिश्नोई। जो पहले से ही अपराध की दुनिया में कदम रख चुका था। उसकी तरह ही वह भी धीरे-धीरे अपराध की ओर खिंचता चला गया।

जोधपुर आते ही रखा जुर्म की दुनिया में कदम

आपको बता दें कि साल 2016 में लॉरेंस ने अपने लाडले भाई अनमोल को पढ़ाई के लिए जोधपुर भेजा था, लेकिन वहां उसके खिलाफ हमले और अवैध हथियार रखने के 3 मुकदमे दर्ज हो गए। बताया जाता है कि साल 2016-17 के दौरान राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के कारोबारियों और रसूखदार लोगों से लॉरेंस गैंग फिरौती वसूलता था और अगर रकम नहीं मिली तो सीधे जान से मार देता था। बस अब यहीं से अनमोल भी इसी बीच पढ़ाई छोड़कर अपने भाई के इस काम में शामिल होने लगा था। उस वक्त अनमोल की उम्र ज्यादा नहीं थी, लेकिन बॉक्सिंग रिंग का गुस्सा उसने अपराध की दुनिया में उतारना शुरू कर दिया और दुनियाभर में उसकी दहशत ने उसे बना दिया एक बड़ा गैंगस्टर। कहा जाता है कि लॉरेंस ऑर्डर देता और अनमोल सारे ऑर्डर को जमीन पर उतारने का काम करता।

बिश्नोई गैंग में अनमोल को 'छोटा डॉन' कहते :

बिश्नोई गैंग में अनमोल बिश्नोई को 'छोटा डॉन' कहा जाता है। जाहिर है जुर्म की दुनिया में अनमोल का कद अपने बड़े भाई से काफी बड़ा हो चुका है और इस वक्त वो इंटरनेशनल गैंगस्टर की कैटेगिरी में माना जाता है। आपको बता दें कि गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई पर कई तरह के सनसनीखेज मामले दर्ज हैं। चलिए आपको बताते हैं कि आखिर वो कौन से ऐसे अपराध रहे, जिन्होंने अनमोल को अपराध की दुनिया का बादशाह बना दिया। आपने नाम सुना होगा बाबा सिद्दीकी का। मुंबई के प्रभावशाली राजनेता और प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय रहे बाबा सिद्दीकी की हत्या ने पूरे महाराष्ट्र को हिलाकर रख दिया था। यह घटना न केवल हाई-प्रोफाइल थी, बल्कि इस वारदात ने अपराध जगत और राजनीति के गठजोड़ पर भी गंभीर सवाल उठाए थे।

बाबा सिद्दीकी के मर्डर से मचा तहलका :

दरअसल 12 अक्टूबर 2024 की रात बांद्रा के खेरवाड़ी चौक पर स्थित कार्यालय के बाहर जब बाबा सिद्दीकी अपनी कार से उतर रहे थे, तभी दो शूटर अचानक वहां पहुंचे और बेहद करीब से उन पर गोलियां बरसा दी। हमले की योजना इतनी सटीक और संगठित थी कि शूटर मिनटों में फरार भी हो गए। लेकिन घटना स्थल पर मौजूद चश्मदीदों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने जल्दी ही दोनों हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में शूटर्स ने खुलासा किया था कि वे अनमोल बिश्नोई के निर्देश पर काम कर रहे थे और पूरी साजिश की रूपरेखा उसने विदेश से रिमोट तरीके से तय की थी। अब गायक सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस की बात की जाए तो इस हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। यह हत्या न केवल बेहद क्रूर थी, बल्कि गैंगस्टरों के बीच चल रही दुश्मनी का बड़ा रूप भी थी।

फिर मुसेवाला हत्याकांड से जुड़ा नाम :

29 मई 2022 को मानसा जिले में मूसेवाला की कार को दो गाड़ियों ने घेर लिया था। हमलावरों ने अत्याधुनिक हथियारों से 30 से अधिक गोलियां चलाईं, जिससे मूसेवाला की मौके पर ही मौत हो गई थी। अब जब इस घटना की जांच की गई तो उसकी कड़ियां भी अनमोल बिश्नोई तक जा पहुंची। कहा जाता है कि इस हमले की योजना विदेश में बैठे अनमोल और गोल्डी बराड़ ने बनाई थी। शूटर्स की भर्ती, हथियारों की सप्लाई, हमले का वक्त, मूसेवाला की मूवमेंट, सब कुछ बड़ी बारीकी से तय किया गया था। हमले के बाद अनमोल और गोल्डी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस वारदात की जिम्मेदारी ली और उन्होंने इसे गैंगवार का बदला बताया। कहा जाता है कि लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई अनमोल पर 18 से ज्यादा गंभीर मामले है।

फर्जी पासपोर्ट पर भाग छूटा विदेश :

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और मुंबई पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश में थी और जब गिरफ्तारी का दबाव बढ़ने लगा तो वो नकली पासपोर्ट बनवाकर विदेश भाग गया। लगातार अपने ठिकाने बदलता रहा। उसकी मौजूदगी पहले केन्या और फिर कनाडा में और बाद में अमेरिका में देखी गई। दरअसल वह जोधपुर जेल से 7 अक्टूबर 2021 को रिहा हुआ था। उसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच ने सलमान खान फायरिंग केस में उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। 2022 में एनआईए ने अनमोल पर रंगदारी, टारगेट किलिंग और क्राइम सिंडिकेट चलाने का केस यूएपीए के तहत दर्ज किया था। उसके खिलाफ लगभग 18 केस दर्ज हैं और 10 लाख का इनाम भी उस पर रखा गया।

सलमान के घर फायरिंग की ली जिम्मेदारी

आपको याद होगा कि अप्रैल 2025 में फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हुई गोलीबारी ने पूरे देश में डर का माहौल बना दिया था। यहां सुबह-सुबह दो बाइक सवार गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर पहुंचे और इमारत की सुरक्षा दीवार की ओर गोलियां चला दी। फायरिंग के कुछ घंटों बाद सोशल मीडिया पर एक अकाउंट से पोस्ट आया, जिसमें दावा किया गया कि यह हमला अनमोल बिश्नोई के इशारे पर किया गया है। पोस्ट में इसे चेतावनी बताया गया था और लिखा था कि यह केवल शुरुआत है। पुलिस ने शूटर्स को गिरफ्तार किया तो उनका भी उसी गैंग से जुड़ाव निकला और पूछताछ में साफ हुआ कि निर्देश इंटरनेट कॉल और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग के जरिए विदेश में बैठे अनमोल ने ही भेजे थे। साफ है कि पंजाब से लेकर राजस्थान और हरियाणा तक ही नहीं, बल्कि हिंदुस्तान से बाहर भी यानि यूरोप और अमेरिका तक अनमोल बिश्नोई की जुर्म की कहानी फैली हुई है।

उसका गैंग फिरौती, सुपारी किलिंग, हथियार तस्करी, ड्रग्स सप्लाई और नाबालिगों की भर्ती जैसे गंभीर अपराधों में शामिल पाया जा चुका है।

अमेरिका से पकड़ा | अब तिहाड़ में

बहरहाल अनमोल बिश्नोई जिसका नाम कई राज्यों में आपराधिक मामलों में दर्ज है, को पिछले दिनों अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया और उसे तिहाड़ जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। उस पर 2022 में गायक और रैपर सिद्धू मूसेवाला की हत्या, 2024 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या और 2024 में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में कथित रूप से शामिल होने का आरोप है। अब आपको ये भी बता देते हैं कि आखिर अनमोल बिश्नोई अमेरिका में आखिर पकड़ा कैसे गया। दरअसल अनमोल बिश्नोई की गिरफ्तारी अमेरिकी शहर लॉस एंजेलिस में एक रूटीन इमिग्रेशन चेकिंग के दौरान हुई। कैलिफोर्निया के एक एयरपोर्ट पर यूएस इमिग्रेशन अधिकारी एक यात्री के दस्तावेज जांच कर रहे थे। उसके पास भारतीय पासपोर्ट था, जिस पर नाम 'भानू' लिखा था। शुरुआत में कागजों में कोई खास गड़बड़ी नहीं दिखी, लेकिन जब अधिकारी ने उस कंपनी का रेफरेंस लेटर देखा, जिसके आधार पर 'भानू' अमेरिका आया था, तो दस्तावेज की भाषा और फॉर्मेट देखकर उसे शक हुआ। कंपनी से संपर्क कर जब सत्यापन किया गया तो पता चला कि उनके यहां ऐसा कोई कर्मचारी नहीं है। इसके बाद इमिग्रेशन अधिकारियों ने पासपोर्ट की चिप, फोटो और अन्य विवरण को गहराई से जांचा। पूछताछ में उस व्यक्ति के जवाब बार-बार बदलने लगे, जिससे संदेह और गहराया। आखिरकार कड़ी पूछताछ के बाद उसने अपना असली नाम बताया और खुलासा किया कि वह कोई भानू नहीं बल्कि भारत का वांछित गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई है। जिसके खिलाफ कई राज्यों में गंभीर मामले दर्ज हैं। जैसे ही यह जानकारी सामने आई, यूएस इमिग्रेशन ने तुरंत एफबीआई को सूचना दी और फिर एफबीआई ने भारतीय एजेंसियों से संपर्क कर अनमोल की पहचान की पुष्टि की।

संपादकीय

उत्पादन पर ब्रेक: पश्चिम एशिया के संकट ने भारत की औद्योगिक रफ्तार को झटका दिया

पिछले वर्ष विनिर्माण क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन की जो लुभावनी तस्वीर दिखाई दे रही थी, वह इस साल पश्चिम एशिया में उपजे संकट की वजह से फीकी पड़ गई है। सरकार की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया गया कि औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मार्च में घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.1 फीसद पर आ गई। इसका कारण विनिर्माण क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन को माना जा रहा है, जिसके पीछे अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष से उपजे हालात भी एक बड़ी वजह है। होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से जहां तेल और गैस आपूर्ति की वैश्विक श्रृंखला बाधित हुई है, वहीं देश का निर्यात भी प्रभावित हुआ है, जिसका सीधा असर औद्योगिक उत्पादन पर पड़ा है। गौरतलब है कि समग्र औद्योगिक उत्पादन में विनिर्माण क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी है और इसमें गिरावट देश के आर्थिक विकास की रफ्तार के लिए चिंताजनक है। अगर पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने में ज्यादा समय लगा, तो स्थिति और ज्यादा बिगड़ सकती है। आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में बिजली उत्पादन लगभग स्थिर रहा, इसमें वृद्धि दर महज 0.8 फीसद रही, जो पिछले वर्ष के मुकाबले काफी कम है। जाहिर है कि इससे भी समग्र औद्योगिक वृद्धि दर पर दबाव बढ़ा है। देश में एक ओर बढ़ती महंगाई की चुनौतियां हैं, तो दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट और अनिश्चितता के माहौल का असर औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है। यह स्वाभाविक है कि अगर देश में उत्पादन घटेगा, तो विकास की रफ्तार कमजोर पड़ती जाएगी। इससे पहले अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए शुल्क की वजह से औद्योगिक क्षेत्र प्रभावित हुआ था। पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुआ संकट कब तक हल हो पाएगा, इस संबंध में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, इसलिए इसका असर दूरगामी न हो और देश में विकास की गति धीमी न पड़े, इसके लिए सरकार को वैकल्पिक उपायों पर ध्यान केंद्रित कर नए रास्ते तलाशने होंगे। अगर समय रहते इस पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में जो हालात पैदा होंगे, उनसे निपटना आसान नहीं होगा।

China, Bangladesh, Nepal, Sri Lanka के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने बदल डाले South Asia के समीकरण

भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को निर्णायक रूप से अपने पक्ष में ढालने की दिशा में सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहा है। हम आपको बता दें कि क्षेत्रीय राजनीति में बदलते समीकरणों के बीच भारत ने संवाद, रणनीति और शक्ति संतुलन के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूती से स्थापित किया है। चीन से लेकर दक्षिण एशिया के अन्य देशों तक, हर मोर्चे पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह न केवल क्षेत्रीय स्थिरता का केंद्र है, बल्कि भविष्य की वैश्विक दिशा तय करने में भी उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है।

भारत और चीन संबंध

सबसे पहले भारत और चीन संबंधों की बात करें तो दोनों देशों के बीच मतभेदों के बावजूद संवाद की प्रक्रिया जारी है। ब्रिक्स तंत्र के अंतर्गत सहयोग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चीन ने भारत की अध्यक्षता का समर्थन किया है और भारत ने भी इस मंच पर चीन की भूमिका की सराहना की है। हाल ही में चीन के विशेष दूत झाई जुन ने नई दिल्ली में बैठक के दौरान यह कहा कि दोनों देश प्रमुख विकासशील राष्ट्र होने के नाते अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर निरंतर संवाद बनाए हुए हैं। भारत की ओर से भी यह संकेत दिया गया कि क्षेत्रीय तनाव को कम करने और शांति स्थापित करने के लिए ब्रिक्स देशों के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि ब्रिक्स सम्मेलन के लिए चीन के शीर्ष नेतृत्व का भारत दौरा प्रस्तावित है, जो गलवान घटना के बाद संबंधों में एक नई दिशा का संकेत देता है। एससीओ सम्मेलन में शिरकत करने गये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई चर्चा भी दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भारत-नेपाल संबंध

वहीं भारत और नेपाल संबंधों पर नजर डालें तो हाल के घटनाक्रम सहयोग के नए अवसरों की ओर इशारा करते हैं। नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद वहां भारत का पहला उच्च स्तरीय संपर्क होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी काठमांडू जाने की तैयारी में हैं। दोनों देशों के बीच बहुआयामी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इस यात्रा को दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे व्यापार, ऊर्जा और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई गति मिल सकती है। साथ ही, यह भी संकेत मिला है कि भारत नेपाल के नए नेतृत्व के साथ प्राथमिकताओं को समझकर आगे बढ़ना चाहता है। नेपाल द्वारा अमेरिका और चीन के साथ भी संपर्क बढ़ाने के बीच भारत का यह संतुलित दृष्टिकोण कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

भारत-बांग्लादेश संबंध

अब भारत और बांग्लादेश संबंधों की बात करें तो हाल के समय में इसमें उतार चढ़ाव देखने को मिला है, लेकिन अब दोनों देश संबंधों को पुन: मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत ने बांग्लादेश में अपने उच्चायुक्त के रूप में एक अनुभवी राजनेता दिनेश त्रिवेदी की नियुक्ति की है, जो इस संबंध की संवेदनशीलता को दर्शाता है। बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आई खटास को दूर करने के प्रयास तेज हुए हैं। हाल ही में उच्च स्तरीय बैठकों में व्यापार, ऊर्जा और जनसंपर्क जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। भारत ने बांग्लादेश में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेकर यह संकेत दिया कि वह संबंधों को स्थिर और सकारात्मक दिशा में ले जाना चाहता है। दोनों देशों के बीच लगातार संवाद जारी है, जो दीर्घकालिक साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है।

भारत-श्रीलंका संबंध

वहीं भारत और श्रीलंका संबंधों की चर्चा करें तो यहां सहयोग का स्वरूप अधिक व्यावहारिक और सामरिक दिखाई देता है। भारत ने श्रीलंका की तटरक्षक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए उपकरण सौंपे हैं, जिससे समुद्री सुरक्षा और खोज बचाव कार्यों में सुधार होगा। इसके साथ ही दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास आयोजित किया गया, जिससे आपसी तालमेल और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा मिला। इस अभ्यास में विशेष समुद्री संचालन और प्रशिक्षण शामिल थे, जो सुरक्षा सहयोग की गहराई को दर्शाते हैं। इसके अलावा भारत ने मानवीय सहायता के तहत चिकित्सा इकाइयां भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, जो आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं में मददगार होंगी। अब इन सभी संबंधों का सामरिक विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ संतुलित, सहयोगात्मक और बहुआयामी संबंध स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चाहे वह चीन जैसे प्रतिस्पर्धी देश के साथ संवाद बनाए रखना हो, नेपाल के साथ पारंपरिक संबंधों को नया आयाम देना हो, बांग्लादेश के साथ राजनीतिक बदलाव के बावजूद साझेदारी को मजबूत करना हो या श्रीलंका के साथ रक्षा और मानवीय सहयोग बढ़ाना हो, भारत की नीति में निरंतरता और स्पष्टता दिखाई देती है।

देखा जाये तो मोदी सरकार की विदेश डुनीति का एक प्रमुख पहलू यह रहा है कि उसने पड़ोसी देशों को प्राथमिकता दी है। पड़ोसी पहले की नीति के तहत भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि क्षेत्रीय स्थिरता और विकास में उसकी भूमिका निर्णायक बनी रहे। इस नीति के तहत संवाद, सहायता, निवेश और सुरक्षा सहयोग को समान महत्व दिया गया है। भारत ने जहां एक ओर कूटनीतिक संतुलन बनाए रखा है, वहीं दूसरी ओर व्यावहारिक सहयोग के माध्यम से विश्वास भी मजबूत किया है। देखा जाये तो इन प्रयासों का प्रभाव केवल दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी देखने को मिलेगा। एक स्थिर और सहयोगपूर्ण दक्षिण एशिया वैश्विक शांति, व्यापार और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। भारत यदि अपने पड़ोस में स्थिरता स्थापित करता है, तो यह उसे एक जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। बहरहाल, वर्तमान घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि भारत और उसके पड़ोसी देशों के संबंध धीरे धीरे बेहतर दिशा में बढ़ रहे हैं। संवाद, सहयोग और संतुलन की यह नीति आने वाले समय में क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है।

-नीरज कुमार दुबे

द केरला स्टोरी 2 की ओटीटी रिलीज डेट बदली, 1 मई को जी 5 पर देगी दस्तक

द द केरला स्टोरी 2 काफी विवादों में रही थी. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला. अब फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने वाली है. हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अब चेंज हो गई है. पहले फिल्म 8 मई 2026 को जी 5 पर रिलीज होने वाली थी. लेकिन अब फिल्म की रिलीज को प्री-पोन कर दिया गया है. अब फिल्म 8 की जगह 1 मई को रिलीज होगी. फिल्म को आप हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, मलयालम और तमिल में भी देख पाएंगे. फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने दुनियाभर में 62.353 करोड़ कमाए. वहीं ग्रॉस 52.94 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म ने 88 लाख रुपये से ओपनिंग की थी. इसके बाद पहले हफ्ते में 22.90 करोड़ का कलेक्शन किया. दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 17.35 करोड़ की कमाई की. तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 11.13 करोड़ॉ कमाए. चौथे हफ्ते में फिल्म ने 88 लाख कमाए. पांचवें हफ्ते में ये घटकर 31 लाख हो गया. छठे हफ्ते में 17 लाख का बिजनेस किया. सातवें हफ्ते में 12 लाख और आठवें हफ्ते में 6 लाख कमाए. फिल्म ने नेट 52. 94 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म को कामाख्या नारायण सिंह ने डायरेक्ट किया. विपुल शाह फिल्म के प्रोड्यूसर थे. फिल्म में अदिती भाटिया, उल्का भाटिया, ऐश्वर्या ओझा, अर्जुन ओजला जैसे स्टार्स थे. ये फिल्म अपने कंटेंट की वजह से विवादों में रही. फिल्म में दिखाया गया कि कैसे कुछ लड़के लड़कियों को प्यार के जाल में फंसाकर उनका धर्म बदलवाते हैं और उन पर जुल्म करते हैं. ये फिल्म 2023 में आई फिल्म का सीक्वल है. द केरला स्टोरी को बहुत पसंद किया गया था. फिल्म ने धमाकेदार कमाई की और फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट हुई थी. इस फिल्म में अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सिद्धि इदनानी और सोनिया बलानी जैसी एक्ट्रेस थीं.

गीतू मोहनदास निर्देशित टॉक्सिक का एक और दिलचस्प पोस्टर रिलीज

भीरा के रूप में नजर आएंगे बालाजी मनोहर

क कन्नड़ एक्टर यश की आगामी गैंगस्टर फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स रोज नए-नए सस्पेंस के साथ फैंस की उत्सुकता बढ़ा रही है। निर्देशक गीतु मोहनदास की यह एक्शन से भरी फिल्म अब और भी चर्चा में है। आज फिल्म के एक और एक्टर के किरदार का नाम सामने आया है। बालाजी मनोहर फिल्म में भीरा की भूमिका में नजर आएंगे। यश ने आज अपनी फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का एक और दिलचस्प पोस्टर शेयर किया है, जिसमें अभिनेता बालाजी मनोहर नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में वह भीरा के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म के इस पोस्टर में बालाजी मनोहर हाथ में सिगार लिए और ब्लैक चश्मे में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर ने फिल्म के लिए फैंस की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है।

फिल्म की टीम लगातार नए किरदारों के पोस्टर जारी कर रही है, जिससे फैंस का जोश बढ़ता जा रहा है। पहले सुदेव नायर का कर्मादी वाला पोस्टर आया था। अब अक्षय ओबेरॉय टोनी के रोल में शामिल हुए हैं। उनका पोस्टर रेट्रो स्टाइल का है, जिसमें वो लाशों के ढेर पर खड़े दिख रहे हैं, जो उनके क्रूर किरदार की झलक देता है। यश फिल्म टॉक्सिक में दो अलग-अलग भूमिकाएं निभा रहे हैं। यह फिल्म मार्च 2026 के तीसरे हफ्ते में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 4 जून 2026 को यह दुनिया भर में रिलीज होगी। यह फिल्म 600 करोड़ रुपये के बड़े बजट में बनी है और बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद है। लेकिन इसे रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधरः द रिवेंज से कड़ी टक्कर मिलेगी। टॉक्सिक फिल्म का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है, जो एक अंधेरी, खतरनाक और खूनी दुनिया की झलक दिखाता है। फैंस 4 जून का इंतजार कर रहे हैं।

धनुष की फिल्म कारा की ओटीटी रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट

नेटफ्लिक्स ने मोटी रकम में खरीदे राइट्स

धनुष की मोस्ट अवेटेड फिल्म कारा का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे है. फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है. इस तमिल एक्शन थ्रिलर में धनुष एक रफ और इंटेंस किरदार में नजर आएंगे, जो फैंस के लिए काफी एक्साइटिंग होने वाला है. फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी बज बना हुआ है और अब इसके ओटीटी अपडेट ने इस एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है. फिल्म की थिएटर रिलीज़ से पहले ही इसके डिजिटल प्रीमियर को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म के पोस्ट-थिएट्रिकल डिजिटल राइट्स एक बड़ी रकम में हासिल किए हैं. हालांकि अभी तक इसकी ऑफिशियल ओटीटी रिलीज़ डेट सामने नहीं आई है, लेकिन उम्मीद है कि फिल्म अपने थिएटर रन पूरा करने के बाद प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी. विग्नेश राजा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1990 के गल्फ वॉर की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें एक्शन और इमोशन का दमदार मेल देखने को मिलेगा. फिल्म में धनुष के अलावा, ममिथा बैजू, के. एस. रविकुमार, करुणास, जयराम, पृथ्वी पांडियाराजन, सूरज वेंजरामूडु, एम. एस. भास्कर और श्रीजा रवि जैसे कलाकार नजर आएंगे. कारा की टेक्निकल टीम भी इस प्रोजेक्ट को और मजबूत बनाती है. फिल्म का संगीत जी. वी. प्रकाश कुमार ने दिया है, जो एक बार फिर धनुष के साथ काम कर रहे हैं. बता दें, कारा को वेल्स फिल्म इंटरनेशनल के तहत बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस किया है.

बॉक्स ऑफिसः भूत बंगला ने टॉयलेट के लाइफटाइम कलेक्शन को पछाड़ा

अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसका पेड प्रीव्यू एक दिन पहले 16 अप्रैल को शुरू हुआ. यह फिल्म 14 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अक्षय के पुनर्मिलन का भी प्रतीक है. दोनों ने पहले हेरा फेरी (2000), गरम मसाला (2005), भागम भाग (2006), भूल भुलैया (2007), दे दना दन (2009), और खट्टा मीठा (2010) जैसी हिट फिल्मों में साथ काम किया था. अब इस लिस्ट में भूत बंगला भी शामिल हो गया है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 9 दिन हो गए हैं. आइए जानें 9वें दिन फिल्म ने कितनी कमाई की है. प्रियदर्शन की निर्देशित भूत बंगला में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं. उन्होंने अपने कॉमिक अंदाज से फिल्म को बखूबी संभाला है, जो उनके पुराने फैंस के दिलों को छू गया है. उनके साथ स्क्रीन पर एक शानदार कलाकारों की टोली भी नजर आई, जिसमें परेश रावल, राजपाल यादव, वामिका गब्बी, जिस्सू सेनगुप्ता और असरानी शामिल है. इस फिल्म की कास्टिंग में ऐसे कलाकारों को प्राथमिकता दी गई है जो अपनी टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं. इसके जोक्स दर्शकों को हंसाने में पूरी तरह कामयाब रहे हैं. भूत बंगला ने दर्शकों का दिल जीत लिया है. अच्छी ओपनिंग के साथ, इसने अपने पहले हफ्ते में ही जबरदस्त रफ्तार पकड़ी. भारत में इसकी नेट कमाई पहले ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है. जहां कुछ समीक्षकों ने इसकी कॉमेडी की तारीफ की हैं, वहीं दर्शकों का रिस्पॉन्स भी पॉजिटिव रहा है. मेकर्स ने रविवार, 26 अप्रैल को भूत बंगला का लेटेस्ट कलेक्शन रिपोर्ट साझा किया है. मेकर्स के मुताबिक, अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 134.25 करोड़ रुपये कलेक्शन किया है. इसी के साथ भूत बंगला ने अक्षय कुमार की हिट फिल्म टॉयलेट- एक प्रेम कथा और राउडी राठौर के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2017 में आई टॉयलेट- एक प्रेम कथा ने 134.22 करोड़ का लाइफटाइम कलेक्शन किया था, जबकि राउडी राठौर का लाइफटाइम कलेक्शन 133.25 करोड़ रुपये था. सैकनिल्क रिपोर्ट के अनुसार, भूत बंगला ने विदेशों में 4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जिससे रिलीज के 9 दिनों बाद इसका कुल विदेशी कलेक्शन बढ़कर 41.5 करोड़ रुपये हो गया. वहीं, इसका कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 161.60 करोड़ रुपये रहा. मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए भूत बंगला से उम्मीद है कि वह विदेशों में 4-5 करोड़ रुपये कमाएगी और 10 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच जाएगी. दूसरी ओर, भूत बंगला के 175 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है. अगर वह यह आंकड़ा छू लेती है तो वह अक्षय की फिल्म जॉली एलएलबी 3 (171.65 करोड़ रुपये) के लाइफटाइम वर्ल्डवाइड कलेक्शन को पीछे छोड़ देगी.

आनंद देवरकोंडा की फिल्म तक्षकुडु का टीज़र जारी, नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगी

आ आनंद देवरकोंडा की आने वाली फिल्म तक्षकुडू का टीज़र आ गया है, और यह काफी चर्चा में है। विनोद अनंतोजू के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म, मिडिल क्लास मेलोडीज़ जैसी सफल फिल्म के बाद दोनों की दूसरी साथ में काम कर रही है। तक्षकुडू सीधे नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगी, थिएटर में रिलीज़ नहीं होगी, और यह कई देशों में 30 भाषाओं में उपलब्ध होगी।

आनंद देवरकोंडा एक अंधे आदमी का रोल कर रहे हैं जिसका पीछा एक अनजान आदमी कर रहा है, और टीज़र में थ्रिलिंग एलिमेंट्स और शानदार विज़ुअल्स दिखाए गए हैं। नितांशी गोयल, जिन्हें लापता लेडीज़ के लिए जाना जाता है, फीमेल लीड के तौर पर टॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म को सिथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, और इसकी स्ट्रीमिंग डेट अभी अनाउंस नहीं हुई है। टीज़र से पता चलता है कि आनंद देवरकोंडा पहले से अलग रोल कर रहे हैं, जिसमें एक दिलचस्प कहानी और ज़बरदस्त विज़ुअल्स हैं। मिडिल क्लास मेलोडीज़ की सफलता के साथ, फ़ैन्स तक्षकुडु की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। फ़िल्म की अनोखी कहानी और शानदार प्रोडक्शन वैल्यू से उम्मीद है कि यह थ्रिलर और ड्रामा एलिमेंट्स के अनोखे मेल के साथ नेटफ्लिक्स पर हिट होगी।

फ़िल्म की सफलता आनंद देवरकोंडा की एक वर्सेटाइल एक्टर के तौर पर जगह को और मज़बूत कर सकती है, और विनोद अनंतोजू के डायरेक्शन से इसके असर का एक बड़ा कारण होने की उम्मीद है। नागा वामसी ने सिथारा एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत फ़िल्म को प्रोड्यूस किया है।

शांति की तलाश में ओशो आश्रम आई थी याना गुप्ता

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस रीम शेख ने हाल ही में दूसरे धर्म में शादी को लेकर रिएक्ट किया. उन्होंने बताया कि वो फिलहाल सिंगल हैं और दूसरे धर्म में शादी नहीं कर सकती हैं. रीम ने बताया कि वो 5 वक्त की नमाज पढ़ती हैं और दूसरे धर्म के लड़के के साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी.

रीम शेख ने दूसरे धर्म में शादी को लेकर कहा, मैं अपने धर्म को मानती हूं. पांच वक्त की नमाज पढ़ती हूं. रमजान में रोजे रखती हूं. मैं इसीलिए दूसरे धर्म में शादी नहीं कर सकती. मैं खुदा से दुआ करती हूं और मेरी जिंदगी में जब भी कुछ होता है तो मैं उनके पास ही जातू हूं.

आगे रीम ने कहा, अगर कोई लड़का दूसरे धर्म को फॉलो करता है तो मैं उसके साथ एडजस्ट नहीं कर पाऊंगी. मैं जानती हूं मेरे ऐसा कहने पर मुझे गालियां पड़ेंगीं. पर मैं ऐसे किसी लड़के के साथ नहीं रह सकती जो दूसरे धर्म को मानता हो. रीम ने कहा कि उनके पेरेंट्स की इंटरफेथ मैरिज थी. लेकिन ये शादी चली नहीं थी. रीम के करियर की बात करें तो उन्होंने 8 साल की उम्र से एक्टिंग करना शुरू किया था. वो शो नीर भरे तेरे नैना देवी में दिखीं.

शो में वो देवी लक्ष्मी के रोल में ऑफ लक निक्की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, देवों के देव... महादेव, दिया और बाती हम, तू आशिकी, ए जिंदगी, संकट मोचन महाबली हनुमान, तुझसे है राबता, खतरा खतरा खतरा जैसे शोज किए. पिछली बार उन्हें शो लाफ्टर शेफ में देखा गया था. रीम ने वजिर, गुल मकई, होमबाउंड जैसी फिल्में की हैं.

हाथ-पैरों को मजबूत कर सकती है ग्लूट-हैम रेज एक्सरसाइज, इसके दौरान रखें इन बातों का ध्यान

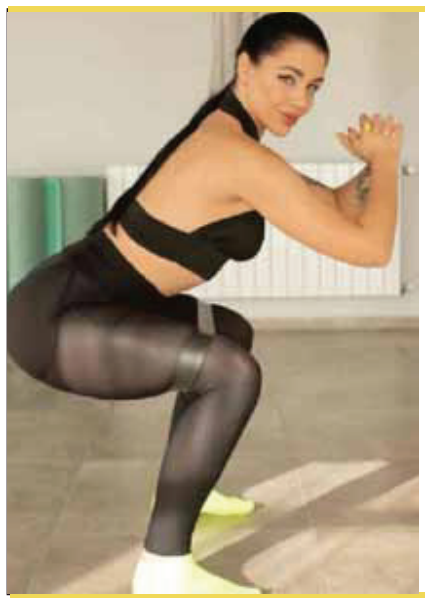

ग्लूट ग्लूट-हैम रेज एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो आपके निचले शरीर और हैमस्ट्रिंग को मजबूत बना सकती है। यह एक्सरसाइज न केवल पैरों को टोन करती है, बल्कि पीठ के निचले हिस्से को भी मजबूत करती है। इसे सही तरीके से करने के लिए कुछ खास बातें जानना जरूरी है। आइए आज हम आपको ग्लूट-हैम रेज से जुड़ी 5 अहम बातें बताते हैं, जिनसे आप इस एक्सरसाइज का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। ग्लूट-हैम रेज करते समय सही मुद्रा का चयन करना बहुत जरूरी है। आपको अपने पैरों को स्थिर प्लेटफॉर्म पर रखना होगा और ध्यान रखना होगा कि आपके घुटने सीधे रहें। इससे आपकी पीठ के निचले हिस्से पर सही दबाव पड़ेगा और आप इस एक्सरसाइज को बेहतर तरीके से कर पाएंगे। इसके अलावा आपको अपने हाथों को छाती पर क्रॉस करना चाहिए या सिर के पीछे रखना चाहिए, ताकि आप संतुलन बना सकें। अगर आप पहली बार ग्लूट-हैम रेज कर रहे हैं तो शुरुआत में हल्के वजन का ही चुनाव करें। धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं, ताकि आपकी मांसपेशियां इसे सहन कर सकें और चोट का खतरा कम हो। इससे न केवल आपकी ताकत बढ़ेगी, बल्कि आपकी तकनीक भी सुधरेगी। ध्यान रखें कि वजन बढ़ाने की प्रक्रिया धीरे-धीरे हो, ताकि शरीर को उसे अपनाने का समय मिल सके और आप सुरक्षित तरीके से अधिकतम लाभ उठा सकें। ग्लूट-हैम रेज करते समय अपनी सांसों पर ध्यान देना नहीं भूलना चाहिए।

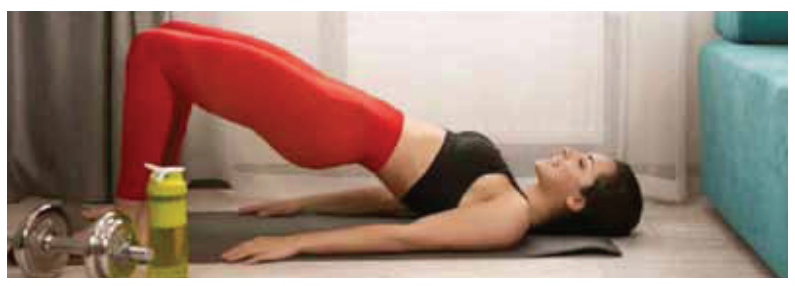

ऊपर की ओर उठते समय सांस लें और नीचे की ओर लौटते समय सांस छोड़ें। इससे आपकी एक्सरसाइज ज्यादा प्रभावी होगी और आपको ज्यादा ऊर्जा मिलेगी। सही तरीके से सांस लेने से आपकी मांसपेशियों पर बेहतर प्रभाव पड़ेगा और आप ज्यादा समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे। इसके अलावा यह आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाएगी और आपको बेहतर परिणाम देगी। ग्लूट-हैम रेज करते समय आपका फॉर्म बहुत अहम होता है। आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और कोई भी मोड़ या खिंचाव नहीं होना चाहिए। इसे सही तरीके से करने से न केवल चोट लगने का खतरा कम होता है, बल्कि इससे आपके ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग पर अधिक प्रभाव पड़ता है। सही फॉर्म से आप इस एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं और अपनी मांसपेशियों को मजबूत बना सकते हैं। किसी भी एक्सरसाइज का पूरा फायदा उठाने के लिए नियमितता बहुत जरूरी होती है। सप्ताह में कम से कम 3 बार ग्लूट-हैम रेज करें, ताकि आपके शरीर को इसकी आदत हो जाए और आप इसके सारे लाभ पा सकें। नियमितता से न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, बल्कि आपका संतुलन भी बेहतर होगा। इसके अलावा इससे आपकी सहनशक्ति में भी वृद्धि होगी और आप अधिक समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे।

एसओजी ने स्कूल लेक्चरर को किया गिरफ्तार:5 दिन के रिमांड पर लिया; फर्जी मार्कशीट लगाकर ली थी पोस्टिंग

जयपुर

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक स्कूल लेक्चरर को अरेस्ट किया है। कॉम्पिटिशन एग्जाम में फेक आवेदन कर आरोपी ने स्कूल लेक्चरर की पोस्टिंग पाई थी। आरोपी ने बैक डेट में बनवाई मार्कशीट को लगाया था। एसओजी की ओर से गुरुवार सुबह आरोपी को कोर्ट में पेश कर 5 दिन के रिमांड पर लिया गया है।

एडीजी (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि फर्जीवाड़े में आरोपी अशोक कुमार यादव (33) निवासी कालाडेरा चौमूं को बुधवार रात अरेस्ट किया गया है। वह वर्तमान में शहीद गजराज सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल दिवराला श्रीमाधोपुर सीकर में स्कूल व्याख्याता कृषि के पद पर तैनात है। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से प्राध्यापक/व्याख्याता कृषि विज्ञान (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 हुई थी। एसओजी को प्रतियोगी परीक्षा में फर्जीवाड़ा कर पोस्टिंग लेने की शिकायत मिली। एसओजी की ओर से मार्च-2026 में केस दर्ज कर जांच की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी अशोक कुमार ने कृषि विज्ञान भर्ती-2022 के आवेदन के समय निर्धारित योग्यता नहीं होते हुए भी आवेदन किया था। आवेदन में अपनी फेक शैक्षणिक योग्यता होना बताकर चयनित हो गया। एसओजी जांच में पता चला कि ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के अधिकारियों से मिलीभगत कर बीईएड साल-2020-22 और एमएमसी एग्रीकल्चर इन एग्रोनोमी की साल-2018-20 की बैक डेट में फेक तरीके से आरोपी ने मार्कशीट बनाकर लगाई थी। आरोपी को एसओजी कोर्ट में गुरुवार सुबह पेश कर 5 दिन के रिमांड पर लिया गया है।

मेट्रो सिटी की तर्ज पर अजमेर में आकार ले रहा मल्टीपर्पज खेल स्टेडियम व आधुनिक कन्वेंशन सेंटर

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने निरीक्षण कर गुणवत्ता और समयसीमा पर दिया जोर

लोक टुडे। अजमेर

अजमेर में आधारभूत संरचना के विकास को नई दिशा देते हुए मल्टीपर्पज स्टेडियम का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। कन्वेंशन सेन्टर का काम भी जल्द शुरू होगा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इन दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं के निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान देवनानी ने पृथ्वीराज नगर के समीप निर्माणाधीन मल्टीपर्पज खेल स्टेडियम का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाला यह स्टेडियम 80 हजार दर्शकों की क्षमता वाला होगा। यह स्टेडियम न केवल खेल गतिविधियों के लिए उपयोगी होगा, बल्कि यहां बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक आयोजन भी आयोजित किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह परियोजना अजमेर के खेल प्रतिभाओं को उभरने का एक सशक्त मंच प्रदान करेगी और युवाओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। उन्होंने जानकारी दी कि इस स्टेडियम के निर्माण के लिए डीएमएफटी फंड से राशि का प्रावधान किया गया है। पटेल मैदान के बाद यह स्थल शहर के बड़े आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। इस आधुनिक स्टेडियम का निर्माण मेट्रो शहरों की तर्ज पर किया जा रहा है, जिससे अजमेर को खेल और आयोजनों के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। इसके साथ ही देवनानी ने माकड़वाली क्षेत्र में प्रस्तावित कन्वेंशन सेंटर स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा के तहत लगभग 34 करोड़ रुपये की लागत से इस भव्य कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया जाएगा। यह सेंटर हजारों लोगों की क्षमता वाला होगा और बड़े व्यापारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए लगभग 28 करोड़ रुपये अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा तथा 6 करोड़ रुपये अन्य योजनाओं के अंतर्गत व्यय किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त विद्युत एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर भी पर्याप्त राशि खर्च की जाएगी। प्रथम चरण के बाद शीघ्र ही दूसरे चरण का कार्य भी प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब 3.2 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित हो रहे इस कन्वेंशन सेंटर में एक हजार से अधिक क्षमता का अत्याधुनिक सभागार, ओपन एयर थिएटर, कॉन्फ्रेंस हॉल, कैफेटेरिया तथा सैकड़ों वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा परिसर में फाउंटेन, बेसमेंट तथा आकर्षक ओपन स्पेस विकसित किए जाएंगे, जहां से प्राकृतिक दृश्य और प्रकाश सज्जा का आनंद लिया जा सकेगा।

कन्वेंशन सेंटर होगा आकर्षण का केंद्र :

देवनानी ने कहा कि यह कन्वेंशन सेंटर न केवल बड़े आयोजनों के लिए मंच उपलब्ध कराएगा, बल्कि परिवारों के लिए एक आकर्षक स्थल भी बनेगा, जहां वे सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मनोरंजन गतिविधियों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि जयपुर, उदयपुर और जोधपुर की तर्ज पर अजमेर में भी अब बड़े स्तर के कॉन्सर्ट, प्रदर्शनियां और सम्मेलनों का आयोजन संभव हो सकेगा। उन्होंने बताया कि इन दोनों महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद अजमेर को एक आधुनिक, सुविधायुक्त और आकर्षक शहर के रूप में नई पहचान मिलेगी। इससे न केवल खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्राप्त होगी।

एएसपी ऑफिस में पोक्सो आरोपी ने पेपर कटर से काटा गला

लहुलुहान हालात लाए हॉस्पिटल, पूछताछ के दौरान किया सुसाइड का प्रयास

लोक टुडे। बाड़मेर

बाड़मेर महिला क्राइम ऑफिस में पोक्सो के आरोपी युवक ने कटर से गला काटकर सुसाइड करने का प्रयास किया। घायल हालात में पुलिस युवक को हॉस्पिटल लेकर पहुंची। वहां पर उसका इलाज करवाया गया। वहां से फिर उसे ऑफिस ले जाया गया। बड़ा सवाल यह है कि एएसपी के सामने आरोपी ने ऑफिस में रखे पेपर काटने वाले कटर से गला काटने का प्रयास कर दिया। इसके पीछे क्या वजह है इसको लेकर जांच होनी चाहिए। जानकारी के अनुसार महिला थाने में पोक्सो का मामला दर्ज है। जिसकी जांच महिला अपराध क्राइम एएसपी प्रभुराम की ओर से की जा रही थी। इस मामले में आरोपी रमेश को पुलिस ने गिरफ्तार किया। गुरुवार को युवक को महिला क्राइम अनुसंधान ऑफिस में जांच और पूछताछ के लिए लाया गया। इस दौरान आरोपी ने एएसपी प्रभुराम के सामने ही टेबल पर रखे पेपर कटर से अपना गलाकर काट कर सुसाइड करने का प्रयास किया। तभी पुलिस के जवान और अधिकारियों ने युवक के हाथ से कटर छिना। युवक लहलुहान हालात में उसे हॉस्पिटल लेकर आए। वहां पर उसका इलाज करवाया गया। इस दौरान महिल क्राइम अनुसंधान एएसपी प्रभुराम मौके पर पहुंचे। इस संबंध में जब मीडिया ने उनसे जानकारी लेनी चाहिए। उन्होंने देने से इंनकार कर दिया। खुद को मीडिया से बचते हुए नजर आए। बाड़मेर एएसपी नितेश आर्य ने बताया- महिला क्राइम अनुसंधान ऑफिस में युवक आरोपी के फिगर प्रिंट लिए जा रहे थे। इस दौरान उसने टेबल पर रखे चाकू से गर्दन काटने का प्रयास किया। युवक को ज्यादा चोट नहीं लगी है। उसको इलाज के बाद उसे वापस ऑफिस लाया गया है। फिलहाल उसकी हालात ठीक है। इसमें कहां पर लापरवाही रही है इसकी जांच की जा रही है।

लक्ष्मी नारायण मंदिर के बाहर जानवरों के अवशेष मिलने से हड़कंप !

जयपुर।

(फोटो - विपिन शुक्ला)

परकोटे क्षेत्र में बड़ी चौपड़ के पास स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर (बाईजी का मंदिर) के मुख्य द्वार के बाहर किसी जानवर के अवशेष मिलने की घटना ने माहौल को गरमा दिया है। इससे लोगों में तीखा आक्रोश व्याप्त हो गया। लोगों का आरोप है कि हमारी धार्मिक भावनाओं को आहत करने के उद्देश्य से किसी असामाजिक तत्वों द्वारा ये कारस्तानी की गयी है। पुलिस और प्रशासन इसके खिलाफ सख्त करवाई करें। उनका कहना है कि मंदिर जैसे पवित्र स्थल के बाहर इस तरह की घिनौनी हरकत किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और यह सीधे-सीधे सनातन आस्था पर प्रहार है। लोगों ने प्रशासन को चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि यदि जल्द से जल्द दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो जनआक्रोश और बढ़ सकता है।

लिफ्ट-फ्लोर के बीच फंसी गर्दन, कांस्टेबल ने 45 मिनट कंधे पर टिकाए रखे पैर, हादसा टला

लोक टुडे। जयपुर

जयपुर के मणिरामजी की कोठी इलाके में लिफ्ट ठीक करते समय कारीगर की गर्दन फंसने का मामला सामने आया है। घटना बुधवार की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार कारीगर साहिल एक सोसायटी में ख़राब हुई लिफ्ट को ठीक करने का काम कर रहा था।

इस दरम्यान अचानक उसकी गर्दन लिफ्ट और फ्लोर के बीच फंस गयी है। सोसायटी के लोगो ने उसे निकलने की खूब कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं होने पर उन्हें पुलिस बुलानी पड़ी। मौके पर पहुंची माणक चौक थाना पुलिस के कांस्टेबल प्रधान ने कारीगर साहिल के पैरों को करीब 45 मिनट तक अपने कंधों पर टिकाए रखा। अगर पैर ज्यादा समय लटकते तो शायद वजन के कारण गर्दन टूट भी जाती। लेकिन कांस्टेबल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। फिर टैक्नीशियन ने कड़ी मशक्कत के बाद जब उसे लिफ्ट से फ्री किया गया तो उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका उपचार शुरू किया गया।

समय से पहले और भाग्य से ज़्यादा उनको मिलता है जो मेहनत करते हैं - कुलपति प्रो. संजीव शर्मा

जयपुर।

जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय, जयपुर में 'कौशलम 2.0' कार्यक्रम के अंतर्गत आयुर्वेद शिक्षकों एवं चिकित्सकों की कार्यकुशलता, व्यवहार कौशल एवं नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 30 चिकित्सकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'समय से पहले और भाग्य से ज़्यादा उन्हें ही मिलता है जो निरंतर मेहनत करते हैं।' उन्होंने चिकित्सकों को अपने ज्ञान के साथ-साथ व्यवहार और नेतृत्व कौशल को भी विकसित करने पर बल दिया, ताकि वे मरीजों को बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें।

पूरे कार्यक्रम को कुलपति प्रो. संजीव शर्मा द्वारा स्वयं डिजाइन एवं संचालन किया गया, जिससे कार्यशाला को व्यावहारिक और प्रभावी स्वरूप मिला।

कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रभावी संवाद, टीम वर्क, समय प्रबंधन तथा नेतृत्व विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर क्रिएटिव एवं रोचकपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने कौशल ओर नेतृत्व क्षमता को और अधिक सशक्त किया।

'कोशलम 2.0' पहल का उद्देश्य आयुर्वेदिक चिकित्सा क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार लाना और चिकित्सकों को नई चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा भविष्य में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की बात कही गई।

सावधान ! आज से बदलेगी आपकी वित्तीय दुनिया; यूपीआई, गैस सिलेंडर और बैंकिंग के नए नियम लागू

लोक टुडे। जयपुर

आज यानि 1 मई 2026 से भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार के नए नियम लागू होंगे। यूपीआई सुरक्षा सख्त, 10 लाख से अधिक कैश पर पेन अनिवार्य, ट्रेडिंग महंगी और एलपीजी बुकिंग पर 25 दिन का गैप जरूरी होगा, जिसका असर आम लोगों की जेब और सुविधा पर पड़ेगा। 1 मई 2026 से राजस्थान समेत देशभर में बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट, घरेलू जरूरतों, निवेश और शेयर बाजार से जुड़े कई महत्वपूर्ण नियम बदलने जा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार की अन्य एजेंसियों द्वारा लाए गए ये बदलाव सुरक्षा मजबूत करने, सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकने, काले धन पर अंकुश लगाने और वित्तीय बाजारों में अनुशासन लाने के उद्देश्य से किए गए हैं। हालांकि, इनका सीधा असर आम आदमी की जेब और सुविधा पर पड़ेगा। खासकर राजस्थान जैसे राज्यों के लोगों पर।

यूपीआई और डिजिटल पेमेंट में सख्त सुरक्षा नियम :

आरबीआई ने यूपीआई ट्रांजेक्शन और अन्य डिजिटल भुगतानों में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (wFA) को और सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। अब यूपीआई के जरिए (कार्डलेस) बिना डेबिट/क्रेडिट कार्ड डाले/झूरूसे कैश निकासी को बैंक की मुफ्त ट्रांजेक्शन लिमिट में गिना जाएगा। लिमिट खत्म होने के बाद हर ट्रांजेक्शन पर 17 से 21 रुपए तक अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। इस बदलाव से धोखाधड़ी कम होगी, लेकिन बार-बार छोटी निकासी करने वालों को थोड़ा ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

10 लाख रुपए से अधिक नकद लेन-देन पर पेन अनिवार्य :

अगर किसी व्यक्ति का एक वित्तीय वर्ष में कुल नकद जमा या निकासी 10 लाख रुपए से ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को पेन कार्ड की जानकारी देना जरूरी होगा। यह लिमिट पूरे साल के कुल लेन-देन को ध्यान में रखकर तय की गई है। इसका मकसद बड़े नकद लेन-देन को ट्रैक करना और अनएकाउंटेड मनी को रोकना है। जो लोग व्यवसाय या अन्य कारणों से ज्यादा नकदी का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें पेन तैयार रखना चाहिए।

म्यूचुअल फंड में लाइफ-साइकिल फंड्स को बढ़ावा :

पुराने रिटायरमेंट और चाइल्ड प्लान अब धीरे-धीरे बंद किए जा रहे हैं। उनकी जगह लाइफ-साइकिल फंड्स को प्राथमिकता दी जाएगी, जो निवेशक की उम्र और जोखिम क्षमता के अनुसार खुद-ब-खुद इक्विटी और डेब्ट का अनुपात बदलते रहेंगे। साथ ही, इक्विटी ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड अब अपनी संपत्ति का 35 प्रतिशत तक सोना और चांदी के ईटीएफ में लगा सकेंगे। यह बदलाव निवेश को अधिक वैज्ञानिक और उम्र के अनुकूल बनाने की दिशा में है।

शेयर ट्रेडिंग पर एसटीटी में बढ़ोतरी :

शेयर बाजार में ट्रेडिंग अब थोड़ी महंगी हो जाएगी। इंट्राडे और डेरिवेटिव सेगमेंट पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) बढ़ा दिया गया है। अब ऑप्शंस पर 0.15% और फ्यूचर्स पर 0.05% एसटीटी लगेगा। छोटे ट्रेडर्स और बार-बार ट्रेडिंग करने वालों का नेट प्रॉफिट कम हो सकता है।

एलपीजी सिलेंडर बुकिंग और डिलीवरी के सख्त नियम :

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सबसे ज्यादा असर एलपीजी सिलेंडर पर पड़ेगा। शहरी क्षेत्रों (जैसे जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर, कोटा आदि) में एक सिलेंडर मिलने के बाद अगला सिलेंडर बुक करने के लिए कम से कम 25 दिन का इंतजार करना होगा। ग्रामीण इलाकों में यह समय और लंबा हो सकता है। डिलीवरी के समय अब ओटीपी या ऑथेंटिकेशन कोड अनिवार्य है। एलपीजी कनेक्शन के लिए eKYC भी सख्त कर दी गई है। नियमों का पालन न करने पर बुकिंग रद्द हो सकती है। इससे सब्सिडी वाले सिलेंडरों का डायवर्शन रोके जाने की उम्मीद है, लेकिन कुछ परिवारों को देरी होने पर नॉन-सब्सिडी सिलेंडर महंगे दामों पर खरीदने पड़ सकते हैं।

रियल मनी ऑनलाइन गेमिंग पर नई पाबंदियां :

रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनियों के लिए नए सर्टिफिकेशन और रेगुलेटरी नियम लागू हो रहे हैं। इससे क्षेत्र में अधिक निगरानी बढ़ेगी, जिसका असर यूजर्स पर प्लेटफॉर्म फीस या सेवाओं के रूप में पड़ सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रिक, प्रकाशन, संपादक - नीरज मेहरा द्वारा बोनस ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, हटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड, जयपुर - 302006 से मुद्रिक एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झेलना डूंगरी गली नंबर 19, थाना गांधी नगर, जयपुर (राज.) प्रकाशित प्रबंध संपादक - पी.के.बृजवाल, 9950325930, 9571635930 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)